

विश्वनाथ पुं. (तत्.) 1. शिव, महादेव 2. काशी स्थित ज्योतिर्लिंग का नाम 3. विश्व का मालिक।

विश्वनियंता वि. (तत्.) 1. ईश्वर, परमात्मा 2. संसार का नियमन करने वाला, संसार को चलाने वाला।

विश्वपति पुं. (तत्.) विश्व का स्वामी, मालिक, ईश्वर, परमात्मा।

विश्वप्रकाश वि. (तत्.) संसार को प्रकाशित करने वाला, सूर्य।

विश्वबंधु वि. (तत्.) जो सभी का मित्र हो, ईश्वर, परमात्मा।

विश्वबीज वि. (तत्.) 1. मूल प्रकृति 2. परमात्मा की माया 3. महादुर्गा, वैष्णवी, शक्ति।

विश्वबैंक वि. (तत्.) अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण तथा विकास बैंक जिसकी स्थापना जुलाई, 1944 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के साथ ही हुई थी।

विश्वभेषज वि. (तत्.) 1. सोंठ (अदरक का सुखाया गया रूप) 2. अनेक रोगों का नाश करने वाली औषधि।

विश्वमाता स्त्री. (तत्.) विश्व की माता, जगत-जननी, महाशक्ति, दुर्गा, पार्वती।

विश्वमुखी स्त्री. (तत्.) महाशक्ति, पार्वती, दुर्गा, सब पर दृष्टि, कृपा करने वाली।

विश्वमूर्ति वि. (तत्.) 1. सर्वरूपमय, सर्वव्यापी 2. परमात्मा, ईश्वर, विष्णु।

विश्वयुद्ध पुं. (तत्.) महायुद्ध जो विश्व के अनेक देशों द्वारा लड़ा जाए या जिस युद्ध में विश्व के अनेक देश शामिल हो जैसे- प्रथम विश्वयुद्ध (1914-1918 ई.) द्वितीय विश्वयुद्ध (1939-1945 ई.)।

विश्वयोनि वि. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. विश्व रचयिता जिनसे विश्व उत्पन्न हुआ हो।

विश्वराज वि. (तत्.) 1. विश्व का स्वामी, मालिक 2. सार्वदेशिक राजा, चक्रवर्ती सम्राट।

विश्वरूप वि. (तत्.) 1. सर्वत्र विद्यमान, सर्वव्यापक 2. ईश्वर का विराट रूप जिसमें संपूर्ण ब्रह्मांड समाया हो।

विश्वलोचन वि. (तत्.) जो विश्व के नेत्रों के समान हों 2. सूर्य 3. चंद्रमा।

विश्ववाद पुं. (तत्.) सर्वहितवाद, सर्व भवतु सुखिनभाव। universalism

विश्वविद् वि. (तत्.) 1. जिसे संपूर्ण विश्व का ज्ञान हो, सर्वज्ञ, परमात्मा ईश्वर 2. महान विद्वान, सर्वविद्।

विश्वविद्यालय पुं. (तत्.) वह बड़ी शैक्षणिक संस्था जिसके अंतर्गत देश और विदेश के विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों/विधाओं की उच्चतम शिक्षा दी जाती है और अनुसंधान कराया जाता है और उसे अपने विद्यार्थियों को उपाधियाँ (डिग्री) देने का अधिकार होता है।

विश्व विलोचन पुं. (तत्.) 1. सबको देखने वाला, सर्व एवं सर्वत्र द्रष्टा 2. सूर्य 3. चंद्रमा 4. विश्व को देखने की शक्ति देने वाला।

विश्वव्यापी वि. (तत्.) 1. सर्वव्यापी, सर्वत्रव्यापी 2. जो संसार के अधिकांश क्षेत्रों में पाया जाए 3. ईश्वर, परमात्मा 4. जिसके प्रभाव में सारा विश्व हो।

विश्वश्रवा पुं. (तत्.) एक ऋषि जो रावण का पिता और महान ऋषि पुलस्त्य का पुत्र था, कुबेर भी इन्हीं का पुत्र था।

विश्वसन पुं. (तत्.) विश्वास करना, विश्वास।

विश्वसनीय वि. (तत्.) विश्वास करने योग्य, जिस पर विश्वास किया जा सकता हो या किया जाना चाहिए, भरोसेमंद, विश्वासपात्र।

विश्वसृज वि. (तत्.) संसार की रचना करने वाला, सृष्टिकर्ता।

विश्वसृष्टि स्त्री. (तत्.) विश्व की रचना, जगत सृष्टि, संसार।

विश्वस्त वि. (तत्.) 1. विश्वासपात्र, विश्वसनीय, जिस पर भरोसा किया जा सके 2. जिसके मन में विश्वास हो।

विश्वहर्ता पुं. (तत्.) 1. विश्व संहारकर्ता, विश्व का नाश करने वाला 2. शंकर, महादेव।